

# अनुक्रमणिका

|                                      |     |
|--------------------------------------|-----|
| उपक्रमणिका                           | क   |
| अन्तर्दर्शन                          | १   |
| प्रथमोऽध्याय<br>अर्जुनविषादयोग       | २६  |
| द्वितीयोऽध्याय<br>सांख्ययोग          | ५१  |
| तृतीयोऽध्याय<br>कर्मयोग              | ८९  |
| चतुर्थोऽध्याय<br>ज्ञानकर्मसंन्यासयोग | ११५ |
| पंचमोऽध्याय<br>कर्मसंन्यासयोग        | १४३ |
| षष्ठोऽध्याय<br>ध्यानयोग              | १६१ |
| सप्तमोऽध्याय<br>ज्ञानविज्ञानयोग      | १८५ |
| अष्टमोऽध्याय<br>अक्षरब्रह्मयोग       | २१३ |
| नवमोऽध्याय<br>राजविद्याराजगुह्ययोग   | २२७ |
| दशमोऽध्याय<br>विभूतियोग              | २४७ |
| एकादशोऽध्याय<br>विश्वरूपदर्शनयोग     | २७१ |

|                         |     |
|-------------------------|-----|
| द्वादशोऽध्याय           |     |
| भक्तियोग                | २९७ |
| त्रयोदशोऽध्याय          |     |
| प्रकृतिपुरुषविवेकयोग    | ३११ |
| चतुदशाऽध्याय            |     |
| गुणत्रयविभागयोग         | ३३३ |
| पचदशोऽध्याय             |     |
| पुरुषोत्तमयोग           | ३४७ |
| षोडशोऽध्याय             |     |
| द्वैवासुरसम्पद्विभागयोग | ३६३ |
| सप्तदशाऽध्याय           |     |
| भद्रात्रयविभागयोग       | ३८१ |
| अष्टदशोऽध्याय           |     |
| मोक्षसंन्यासयोग         | ३९५ |
| भक्तिवेदान्त चरितामृत   | ४२९ |